Date
13/05/2020

TEACHING OF SCIENCE
Topic- सरल मशीनें

D.El.Ed. IInd Sem
Period- IIIrd

उत्तोलक के प्रकार =

उत्तोलक तीन प्रकार के होते है।

1= प्रथम श्रेणी के उत्तोलक =

इस वर्ग के उत्तोलक में आलम्ब (F) आयास (E) तथा भार (W) के बीच स्थित होता है, इस प्रकार के उत्तोलक में यान्त्रिक लाभ, एक से अधिक या एक के बराबर तथा एक से कम भी हो सकता है।

जैसे = कैंची, प्लास, शीशा, झूला आदि

2= द्वितीय श्रेणी के उत्तोलक =

इस वर्ग के उत्तोलक में आलम्ब (F) तथा आयास (E) के बीच भार (W) स्थित होता है, इस प्रकार के उत्तोलको में यान्त्रिक लाभ सदैव एक से अधिक होता है।

जैसे = सरौता, नीबू निचोड़ने की मशीन

3= तृतीय श्रेणी के उत्तोलक =

इस वर्ग के उत्तोलक में आलम्ब F तथा भार W के बीच में आयास E होता है।

जैसे = चिमटा, किसान का हल, मनुष्य का हाथ आदि।

Scanned with CamScanner

स्क्रू या पेंच =

यह एक ऐसी युक्ति है जो घुमावदार गति को रैखिक गति में परिवर्तित करती है और घूर्णी बल को रैखिक बल में परिवर्तित करती है।

घिरनी =

घिरनी एक गोल स्तंभ है, इससे मशीन की शक्ति को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाया जाता है। घिरनी के पास से ही मशीन की गति को कम या ज्यादा किया जा सकता है। घिरनी केवल बल की दिशा में परिवर्तन करती है, बल के परिणाम में नहीं।

घिरनी के प्रकार =

घिरनियाँ निम्न प्रकार की होती है:

1- पद घिरनी
2- सवार घिरनी
3- कसी हुई या ढीली घिरनी
4- ∪ आकार की घिरनी
5- मार्ग घिरनी

Continue

Scanned with CamScanner